इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रमुख मांग केंद्र के रूप में उभर रहे मझोले शहर : रिपोर्ट

नई दिल्ली। बड़े और टियर-2 (मझोले) शहरों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग का अंतर कम हो रहा है। आने वाले समय में मझोले शहरों के ऐसे वाहनों के लिए बड़े मांग केंद्र के रूप में उभरने की संभावना है।

ब्लूमबर्ग-एनईएफ (बीएनईएफ) के 10 राज्यों के 207 शहरों में इलेक्ट्रिक दोपहिया और कार की बिक्री के विश्लेषण से पता चलता है कि कुछ मझोले शहरों के बाजारों में ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री महानगरों से अधिक हो रही है। ई-कारों की बिक्री में वृद्धि का भी नेतृत्व यही शहर कर रहे हैं। राज्यों की राजधानी आगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में ई-वाहनों की बिक्री तेजी से बढ़ रही है, लेकिन 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इसमें काफी अंतर है। बड़े शहर ईवी मांग के वर्तमान केंद्र हैं, मझोले शहरों में इसकी मांग बढ़ रही है। इन राज्यों में दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु व यूपी हैं। एजेंसी

लखनऊ में बिके 1,120 ई-वाहन : यूपी की

राजधानी लखनऊ ने 2023 में राज्य में बिक्री में हुई वृद्धि की अगुवाई की। हरियाणा के गुरुग्राम में 1,570 ई-वाहन बिके। जयपुर में 2,400 से अधिक ई-कारें खरीदी गईं।